

1886) Massachusetts. Cranston,
S. B. Bassett. Day by
day - time lost

1000 e)

Chloro
chloro
Chloro

20

9th - Feb 17
Received from H. D.

add. District Sub-Registration
Court, 24-Patna 12

29 September 1988

6

20 January 2000 10:00 AM
at ~~the~~ ~~new~~ ~~site~~

I don't know
Kingship
Kingship
Kingship
Kingship
King
King



(x)

श्री शेन्ट्रु बाबू चतुर्व्याधी, खिता घृष्ण बसंत हुमार चउचाई ।

खिता घृष्ण

मिठाय शब्द :-

श्री शेन्ट्रु बाबू चतुर्व्याधी, खिता घृष्ण बसंत हुमार चउचाई ।

आठ - खिदू, खेला - अवसरप्राप्ति । साँ एस. वि, दास बोद्ध -

खात्मन् र, बाना जोनाहल्कूर, झेला २४ परगना(दामन) ॥

डटीय शब्द :-

श्री शेन्ट्रु बुधार चउचाई, खिता घृष्ण बसंत हुमार चउचाई ।

आठ - खिदू, खेला - अवसरप्राप्ति, खेलमजापी । साँ एस. वि -

दास बोद्ध, बाना - जोनाहल्कूर, झेला २४ परगना(दामन) ॥

आप ज्ञाना धाय उद्दृश्यित बृहादि मह एवं (य) उक्षीन आ-उत्ति आठ काँडा नय -

1886)
Prakuti Don. Caukabooz -
S. B. das M. Raybar
Gonarpur
(6/187) ~~now~~ ~~now~~

Clown

Clava

Clav

Clor

766

766

766

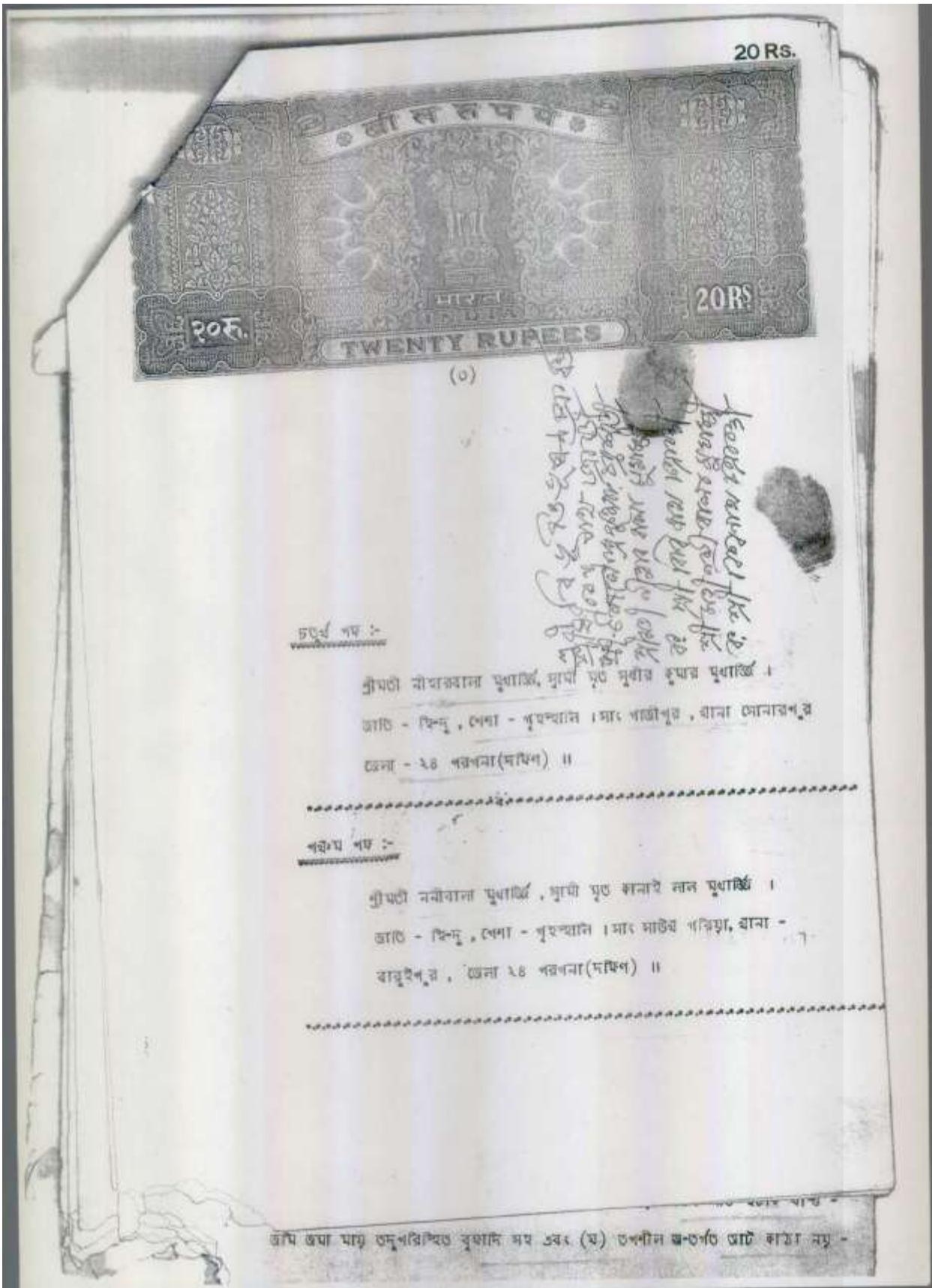
767



1886 Deccan Sub-Region
Bangalore, Mysore (M)

21. Jan
21. Jan

21. Jan
21. Jan



1886
Poekhuti son. Chalavatoy

C. S. 800 No Raypur

Sonarpur

01/2/87 C 2300 -

1. 100

768 2. 100

CE 100

CE 10

—
425 —

পুরো পুরো পুরো
১. পুরো পুরো

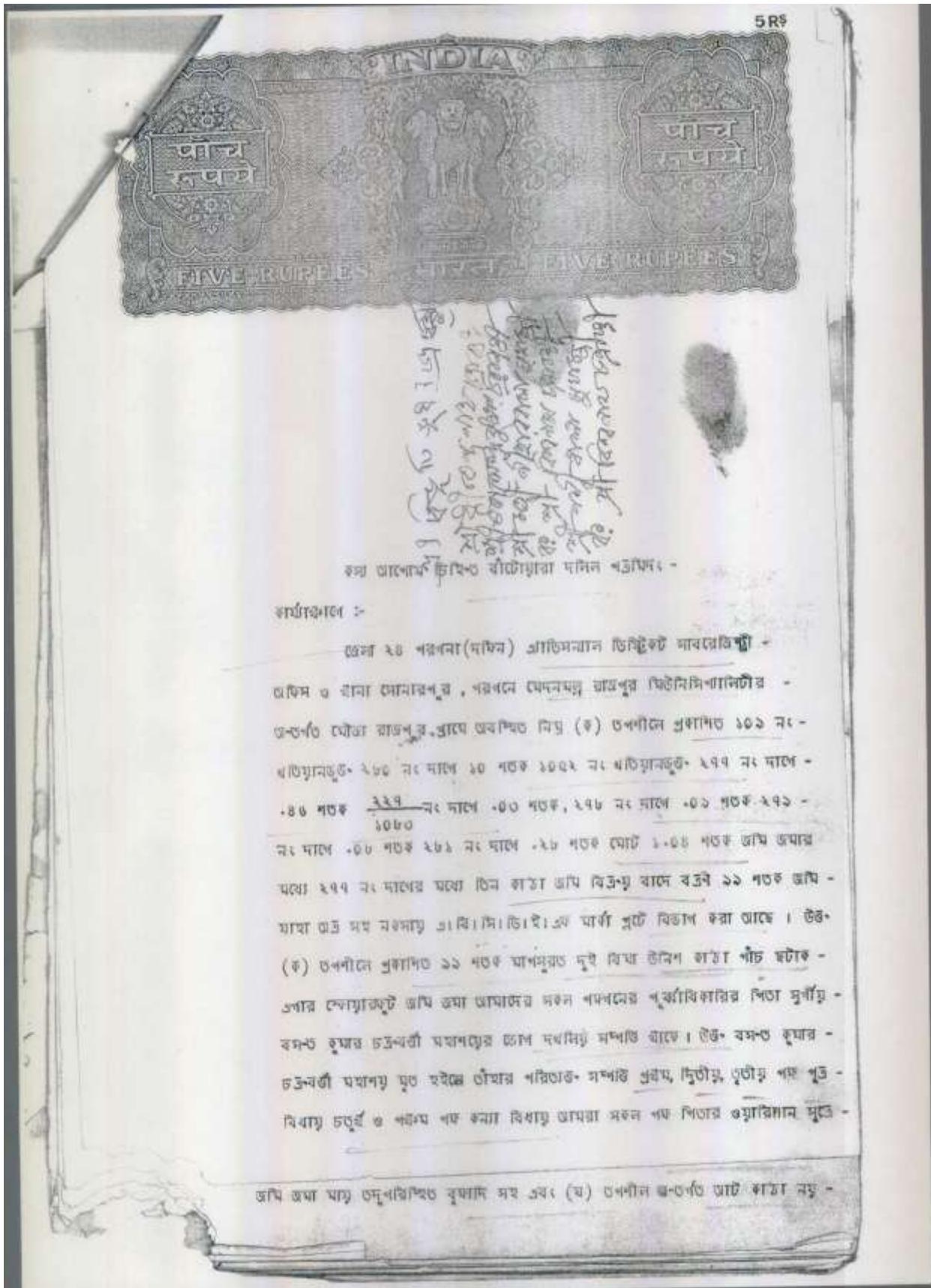
২. পুরো পুরো

769



STATE CENTRAL LIBRARY
1887
SONARPUR, 24-PARAGANAS (B)

1887
LIBRARY
SONARPUR, B.



1886
Sold to
B. B. Chatterjee
S. B. das to Rayam
Sonarpur
612182 M. Young.

Clean
Clean
Clean
Clean
Clean
727



1913
LIBRARY OF THE
INSTITUTE OF INDIAN
LITERATURE
PUNJAB, 24, PARKSIDE (E)

1913
LIBRARY
OF THE
INSTITUTE OF INDIAN
LITERATURE
PUNJAB, 24, PARKSIDE (E)

(c)

ମୟୋଦ୍ର ପ୍ରକାଶମେ ଧାରେ ଡାକ ନିର୍ମାଣ କାର୍ଯ୍ୟମୁକ୍ତ ସହନ ପରମାନ୍ତର -

ନିର୍ମାଣର ଏବଂ ବନ୍ଦାମେତ ମୂଲ୍ୟବାଳ କରା ଗାପରା ସକଳ ଖତ ନିମ୍ନ (d) ତଥାଲ ବର୍ତ୍ତି -

ତଥି ପ୍ରାଣୋର ମୌଖିକ ବିଡ଼ାଳ କରିଯା ପରମାନ୍ତର ଚିହ୍ନିତ ଭାଷିତ ପରମାନ ନିତ ନିତ --

ଅର୍ଥର ଦୂରା ଓତ ମହ ନକ୍ଷାମୁକ୍ତ ପ୍ରମାଣିତ କରିଯାଇ ଇହାରତାଦ୍ୱାରା ପୃଷ୍ଠାଦି ନିର୍ମାଣ ପୂର୍ବକ --

ଅନ୍ୟୋର ବିନା ମଞ୍ଜୁବ ନିର୍ମାଣର ଧାରେ ନିର୍ମାଣକାର ଭାବିତି । ସାଇ ତଥିଯାଇ ପରମାନ୍ତର -

ଧାରେ କୋନ ଖତ ବା ପରମାନ ମୌଖିକ ବିଡ଼ାଳ ବନ୍ଦର ତଥୀକାର କରିଯା ପରମାନ୍ତର ନିର୍ମାଣର ନିର୍ମାଣ -

ବ୍ୟାପାତ ଘଟାଇ ଏଇ ଆମଜାମୁକ୍ତ ପ୍ରାପରା ସକଳ ଖତ ଏକମତ ହଇଯା ମୌଖିକ ବିଡ଼ାଳ ବନ୍ଦର -

ଆମ୍ବୁଦ୍ଧାରୀ ପ୍ରାପନ ଦୂରା ପ୍ରାପନ ତୈଥୀଯା ଉତ୍ତେ ପ୍ରାପନ ମହ ଓତ ବୀକୋଦ୍ଧୀରା ଦାନିନ -

କରିନାମ ।

ନିମ୍ନ (e) ତଥାଲର ଅନ୍ତର୍ଗତ ନିମ୍ନ (f) ତଥାଲ ବର୍ତ୍ତି ଓତ ମହ -

ନକ୍ଷାମୁକ୍ତ (g) ଯାରୀ ଶୁଣ୍ଟ ନାନ ରଙ୍ଗ ଦୂରା ନିର୍ମାଣିତ ମାତ କାଟା ହୁଏ ଛଟାକ ବାନ୍ତ -

ତଥି ଜ୍ଞାପା ଧୟ ତନୁବିଶିତ ବୃକ୍ଷ ଆଗନାତ ମହ ଏବଂ (h) ତଥାଲର ଅନ୍ତର୍ଗତ (i) -

ଯାରୀ ଶୁଣ୍ଟ ଆଟ କାଟା ଦୂରା ଛଟାକ ବାନ୍ତ କରିବାର ଜ୍ଞାପା ଯୋଟ ମାତ୍ର କରିବାର କାଟା -

ତଥି ଜ୍ଞାପା ଶ୍ରୀ ମହାଶ୍ରୀ ବିଜୁତ କୁମାର ଚନ୍ଦ୍ରବର୍ଣ୍ଣାର ଅମେ ନିର୍ମିଷ୍ଟ ହଇଲ । ଇହାର ମୂଳ -

୮୦୦୦ ମୀ ମାତ୍ର ଆଟ ଖାଜାର ଟାଙ୍କା ।

ନିମ୍ନ (i) ତଥାଲର ଅନ୍ତର୍ଗତ ନିମ୍ନ (j) ତଥାଲ ପ୍ରକାଶିତ ଓତ -

ନକ୍ଷାମୁକ୍ତ (k) ଯାରୀ ଶୁଣ୍ଟ ରଙ୍ଗ ଦୂରା ନିର୍ମାଣିତ ହୁଏ କାଟା ହୁଏ ଛଟାକ ବାନ୍ତ -

ତଥି ଜ୍ଞାପା ଧୟ ତନୁବିଶିତ ବୃକ୍ଷ ଆଗନାତ ଯାଦି ମହ ଏବଂ (l) ତଥାଲର ଅନ୍ତର୍ଗତ ଆଟ -

କାଟା ନାହିଁ ଛଟାକ ବାନ୍ତ କରିବାର ଜ୍ଞାପା ଯୋଟ କୌକ କାଟା କରିବାର ଛଟାକ ତଥି ଜ୍ଞାପା ଧୟ ପାକ -

ଯାଟେଇ ଏବଂ ନ ମହ ନିୟମିତ ରମ ଶ୍ରୀ ବୀକୋଦ୍ଧ ନାର ଚନ୍ଦ୍ରବର୍ଣ୍ଣାର ଅମେ ନିର୍ମିଷ୍ଟ ହଇଲ ।

ଇହାର ମୂଳ ୮୦୦୦ ମୀ ଆଟ ଖାଜାର ଶୀତ ଶତ ଟାଙ୍କା ।

ନିମ୍ନ (m) ତଥାଲର ଅନ୍ତର୍ଗତ ନିମ୍ନ (n) ତଥାଲ ବର୍ତ୍ତି ଓତ ମହ -

ନକ୍ଷାମୁକ୍ତ (o) ଯାରୀ ଶୁଣ୍ଟ କାନ୍ଦେ ରଙ୍ଗ ଦୂରା ନିର୍ମାଣିତ ହୁଏ କାଟା ମାତ୍ର ଛଟାକ ବାନ୍ତ -

ତଥି ଜ୍ଞାପା ଧୟ ତନୁବିଶିତ ବୃକ୍ଷାଦି ମହ ଏବଂ (p) ତଥାଲର ଅନ୍ତର୍ଗତ ଆଟ କାଟା ନାହିଁ -



19/8/89
AGM District Sub-Registration
Bamrauli, 24-Pargana (E)

(६)

କଟାକ ଶୁକ୍ର ଓ ଡୋବା ଜାପିଜ୍ଞାନୀ ଯୋଟ ପରିବହଣ କଟାକ ଜାପି ତଥା ଯାତ୍ରା ପାଇବା -

ଯାଏଟିର ମୁଣ୍ଡ ଅଛି ମହ ମୁଣ୍ଡିଯାଙ୍କ ଗୁଣ୍ଠାନ୍ତର କୁମର ଚଉବଜୀର ତଥା ନିର୍ମଳି -
ହଇଲା । ତାଥାର ମୂଳ - ୮୦୦୦ ଟଙ୍କା ଆଟ ଯାତ୍ରାର ନୀତି ପତ ଟାଳ ।

ନିମ୍ନ (୫) ତଥାରେ ଅନ୍ତର୍ଭବ ନିମ୍ନ (୬) ତଥାରେ ପ୍ରକାଶିତ ଅତି ମହ -
ନିମ୍ନ (୭) ଯାରୀ ପୁଣ୍ଡ ବାଦାଯି ରଙ୍ଗ ଦୂରା ପରିବେଳିତ ବୀଚ କଟାକ ଯେତ କଟାକ ଆଟ -
ଲୋହ୍ୟାରୁଣ୍ୟ ବାକ୍ତ ଜାପି ତଥା ଯାତ୍ରା ତଥାରେ ବୃଦ୍ଧ ପ୍ରାଚୀନତାମି ମହ ଚତୁର୍ଦ୍ଦଶ ଏବଂ ଶ୍ରୀଷ୍ଟି -
ମନୀଶବାନ ମୁଖ୍ୟାର୍ଥିର ତଥା ନିର୍ମଳି ହଇଲା । ତାଥାର ମୂଳ ୫୦୦୦ ଟଙ୍କା ହୁଏ ଯାତ୍ରାର ଟାଳ ।

ନିମ୍ନ (୭) ତଥାରେ ଅନ୍ତର୍ଭବ ନିମ୍ନ (୮) ତଥାରେ ପ୍ରକାଶିତ ଅତି ମହ -
ନିମ୍ନ (୯) ଯାରୀ ପୁଣ୍ଡ କଟାକରେବୁ ରଙ୍ଗ ଦୂରା ପରିବେଳିତ ହୁଏ କଟାକ ଜାପି ତଥା ଯାତ୍ରା -
ତଥାରେ ବୃଦ୍ଧ ପ୍ରାଚୀନତାମି ମହ ଏହିମ ଏବଂ ଶ୍ରୀଷ୍ଟି ମନୀଶବାନ ମୁଖ୍ୟାର୍ଥିର ଅଂଶ -
ନିର୍ମଳି ହଇଲା । ତାଥାର ମୂଳ ୫୦୦୦ ଟଙ୍କା ହୁଏ ଯାତ୍ରାର ଟାଳ ॥

ନିମ୍ନ (୯) ତଥାରେ ଅନ୍ତର୍ଭବ ନିମ୍ନ (୧୦) ତଥାରେ ବର୍ଣ୍ଣିତ ଅତି ମହ -
ନିମ୍ନ (୧୧) ଯାରୀ ପୁଣ୍ଡ କଟାକ ରଙ୍ଗ ଦୂରା ପରିବେଳିତ ମାତ୍ର କଟାକ ହୁଏ କଟାକ ଧ୍ୟାମ -
ଦସଲିଙ୍ଗ ବାକ୍ତ ଜାପି ତଥା ଶ୍ରୀଷ୍ଟି (୧୨) ଯାରୀ ପୁଣ୍ଡିରୁ ଆଟ କଟାକ ଦୂରା କଟାକ ଶୁକ୍ର ଜାପି
ତଥା ଯୋଟ ପରିବହଣ କଟାକ ଆଟ କଟାକ ଜାପି ତଥା ପ୍ରକାଶ ଏବଂ ଶ୍ରୀ ବିକୁଣ୍ଠ ଭୂମନ ଚଉବଜୀ -
ପାତାକର ତାରିଖ ହରିଯ ଯାବତୀଯ ମୁଣ୍ଡ ମୁଦୁବାନ ଓ ଦସଲେ ମଧ୍ୟେ ମଧ୍ୟରେ ଥିଲ୍ଲା -
ଯାନିକ ମରିବାରେ ଯରାତ ପାଦାଯେ ଯାତ୍ରାକୁଣ୍ଡରେ ଶୁଦ୍ଧ , ପୋତାମି ଯୁଗୀତିଶାନ ଓ ଶଳାଟିପିତ୍ତ
ଶରତ୍କାରୀ ମାନ , ବିଉନ୍ୟ , ବନ୍ୟକ ଓ ସର୍ବପ୍ରକାରର ହତାହର ରୁକ୍ଷାତତ୍ତ୍ୟାନ୍ତର ଦୂରା ନିବାୟ -
ମୁଣ୍ଡ ଡାଳ ଦସଲ କରିବ । ତାଥାର ନୀତିଯ , ପୁଣ୍ଡି ଚତୁର୍ଦ୍ଦଶ ନିମ୍ନ ଏବଂ ପରିବହଣ କଟାକ
ପୁଣ୍ଡି , ଚତୁର୍ଦ୍ଦଶ ନିମ୍ନ ଏବଂ ପରିବହଣ କଟାକ ପ୍ରକାଶିତ ଶରତ୍କାରୀ ହତାହର କୌନ ଶୁକ୍ରାନ୍ତିକା -
ନାତି , ନାଵି , ନାଭ୍ୟା , ମୁଣ୍ଡ ମୁଣ୍ଡି ଯାକିନ ନା ବା ଯାକିନେ ନା । ଯାନି କେହ କୁନ୍ଦନର କୌନ
ଶୁକ୍ରାନ୍ତିକା , ନାବି , ନାଭ୍ୟା କେବେ ବା କରି ତାଥା ନାରୀନାନ୍ତର ଅନ୍ତର୍ଭବ ଏବଂ ନାମଙ୍କୁର ପାଇବେ ।



[Signature]
Sonepur, 26-Pargana (B)

(५)

मिष्ठु (४) उल्लील वर्णित सम्बादित आदित निरुप्य, तुलीय, चतुर्व, शेष शहनामेर -
ये छिकु सुत, सुपित, दखन अधिकार यह, इक्कुः याथा छिकु आहे ताथा असा - -
इडी निरुप्य, तुलीय, चतुर्व, शेष शहनामेर तद ० राहित इष्टिया श्रवण शहत - -
सम्भूतुपे वर्तीसिल ।

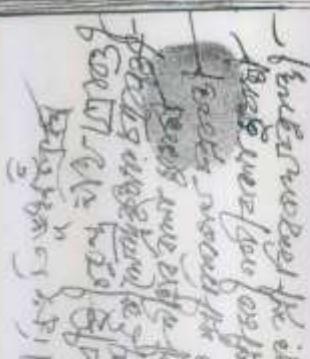
मिष्ठु (५) उल्लीलेर झन्तर्गत मिष्ठु (६) उल्लील वर्णित अउ सह -
नक्काय (६) यार्हा ग्रुटे यायद्वा रः द्वारा गरिवेस्तित हय वाटा हय छटाक वास्त -
ज्ञापि अग्या याय अउ सह नक्काय शुद्धित विः। ये यार्हा ग्रुटे सतर वाटा दूई छटाक -
शुक्कुर अपिर घाये ग्राट वाटा नय छटाक शुक्कुर याय गाका घाटेर $\frac{1}{2}$ अः श सह -
ग्रोट तोमर वाटा गनर छटाक अपि अग्या निरुप्य शह नु वीरेन्नु नार्ह चउंवर्ती -
उद्याकार तारिख इडी यावणीय सुत्तु सुपुवान ० दखने गायेय दखनिकार इष्टिया -
प्यालिक सत्रलेर अजात यामात्ये एवः फिटायिलायिली अधिके नाप शहने ट्याक्यानि -
सवरवाह कायद्वा फद्धुक्कात्ये शुद्ध तोमानि ओमारिलान ० शहनाटितिं गनत्तमे दान -
वित्तु, वैवक ० सर्वप्रकार यक्तान्तर त्रुपान्तरानिर द्वारा नियुक्त सुत्तु शरय सुधे - -
जेळ दखन रातित रातित । ताराय श्रवण, तुलीय, चतुर्व, शेष शहनामेर वा श्रवण - -
तुलीय, चतुर्व, शेष शहनामेर ओमारिलान ० शहनाटितिं गनेर जेळ श्रवार दावि -
दाव्या, सुत, सुपित रातित वा वा रातित वा । यानि केह कधन० जेळ श्रवार -
दावि, दाव्या रते वा तर ताथा सर्वज्ञानान्त उत्ताप ० नाफङ्कुर इविवेक ।

मिष्ठु (७) उल्लील वर्णित सम्बादित आदित श्रवण, तुलीय, चतुर्व -
० शेष शहनामेर ये छिकु सुत, सुपित, दखन अधिकार याथा छिकु आहे ताथा असा - -
इडी तद ० राहित इष्टिया निरुप्य शहत सम्भूतुपे वर्तीसिल ।

मिष्ठु (८) उल्लीलेर झन्तर्गत मिष्ठु (९) उल्लील वर्णित अउ सह -
नक्काय (९) यार्हा ग्रुटे जाले रः द्वारा गरिवेस्तित हय वाटा नात छटाक वास्त -
ज्ञापि अग्या एवः अउ सह नक्काय शुद्धित विः। ये - याका ग्रुटे सतर वाटा दूई छटाक



69/HB
Sonarpur, 24-Parganas (B)



 ते लक्ष्मीनारायण

शुद्ध अधिक यथो गाट शाढ़ा नमृ इटाक शुद्ध अधिक यथा घोट नमर -
 शाढ़ा अधि यथा एवं शाढ़ा घोटर द्वारा यथे यथा दृढ़ाय एवं श्री शैलेन्द्र -
 दृष्टय चउन्हीं जन्मवार तारिख हइते याबडाय मुक्तु मुक्तुवान नवले बाढ़ेय - -
 नवलिशार इईया पालिक सरवाते घोड़ात आदाये एवं पिण्डिमिशालिटीर अस्तिस -
 टाक्यु मरव जाह किया यद्युप्तात्त्वये शुद्ध, लोडानि ओडारिशान ओ श्वलाटिहिंडू गन्तव्ये
 दान, विक्क्यु, ब-एक ० सर्वप्रुकारेव यस्तात्त्वर तु गान्तगान्तिर दुर्वा निवाचु शुद्ध - -
 नरप सुधे डाल नवल फिरव । ताथात श्रवण द्वितीय, चतुर्थ ओ षष्ठ्य नमर वा -
 श्रीय, द्वितीय, चतुर्थ ओ षष्ठ्य नमरनेर ओडारिशान ओ श्वलाटिहिंडू-मिलर तोन दावि -
 दाव्या, ओडर आण्या याकिस ना वा याकिवेक ना । यसि केह उत्तम तोन शुकार -
 दावि, दाव्या फरे वा फरि ताथ मर्वान्नाते उत्तम ओ नामज्ञुर एहिवेक ।

निष्ठु (४) उन्नीन वर्तित मध्याति प्रादित श्रवण, द्वितीय, चतुर्थ -
 ओ षष्ठ्य नमरनेर ये किछु मुक्तु मुक्तिपु नवल तारिखात एह यक्ष्य॑ याहा किछु आहे -
 ताहा अस्य एहिते रुद ओ चाहित इईया दृढ़ाय नमत वर्ताइल ।

निष्ठु (५) उन्नीनेर उत्तर्वत निष्ठु (६) उन्नीन वर्तित आउ -
 अस्य यस्माय बासाये त्र॒ दुर्वा गरिवेश्चित शीत शाढ़ा यत्र इटाक आट लेयारवृत्त -
 वाळू अपि यथा चतुर्थ शेष श्रीमती नीशवाना पूर्णार्त्त जन्मवार तारिख हइते याबडाय -
 मुक्तु मुक्तुवान नवले बाढ़ेय नवलिशार इईया पालिक सरवाते घोड़ात आदाये एवं - -
 पिण्डिमिशालिटीर टाक्यु मरव जाह किया यद्युप्तात्त्वये शुद्ध, लोडानि ओडारिशान ओ - -
 श्वलाटिहिंडू गन्तव्ये दान, विक्क्यु, ब-एक ० सर्वप्रुकारेव यस्तात्त्वर तु गान्तगान्तिर दुर्वा -
 निवाचु शुद्ध नरप सुधे डाल नवल फिरव याकिस । ताथात श्रवण द्वितीय, द्वितीय - -
 षष्ठ्य नमरनेर येवा श्रीय, द्वितीय, द्वितीय, नवेन्य नमरनेर ओडारिशान ओ श्वलाटिहिंडू -
 नमर तोन शुकार दावि, दाव्या फरे वा फरि ताथ मर्वान्नाते उत्तम ओ नामज्ञुर
 एहिवेक ।



secy. District Sud-Bogotense
Bogotá, D. C. Colombia (B)

(১)

প্রক্রিয়া করা হচ্ছে
প্রক্রিয়া করা হচ্ছে

নিম্ন (৩) তখনীন বার্ষিক সম্পত্তি আদিত প্রবণ, সুতীয়, পৃতীয়, ও শৰণ -

শফলনের যে কিছু সুতী, সুাপিতু দখল প্রাপিত হচ্ছে থকিয়ে যায় কিছু আছে -

তায়া অস্য ঘটিতে রদ ও গাইত হইয়া চতুর্থ পদতে সম্পূর্ণে বর্ণাইন ।

নিম্ন (৪) তখনীনের অন্তর্ভুক্ত নিম্ন (৫) তখনীন বার্ষিক পত্র সহ -

নকশাপ (ই) যারী পুটে ক্ষেত্রসম্বন্ধে রং দুরা পারিবেশিত হচ্ছে শাঠা বাল্প জাপি জয়া -

শৰণ পত্র শুভায়ী যবীবানা সুবার্কি আদিত প্রাপিত পারিতে যাবতীয় সুতু সুতুবান -

দখলে কাঢ়ে দখলিলের হইয়া যানিকম্পতে ধোরাত প্রাদান্তে যদৃশুক্তিয়ে শুও - -

পৌজাদি ওয়ারিশান ও স্বনাটিপিঙ্ক পরত্বয়ে দাম, বিক্রয়, ব্যবহাৰ ও সর্বপ্রকারের - -

হস্তান্তর ও ত্ৰুণ্যত্বাদিৰ দুৱা নিম্নায় সুতু জোৱ দখল কৰিব । তাথায় প্রবণ - -

সুতীয় পৃতীয়, চতুর্থ পদতের পত্রবা প্রবণ, সুতীয়, পৃতীয়, চতুর্থ পদতের ওয়ারিশান -

ও অন্তিমিত্তিপদের কোন প্রকার দাবি, দাওয়া, সুতু, সুাপিতু শাকিন না বা শাফিবেক

না । যদি হেসকথনত কোন প্রকার দাবি, দাওয়া কৰে বা কঠি তায়া সর্বাদানতে - -

অগ্রাহ ও বাপন্তুর হইবেক ।

নিম্ন (৫) তখনীন বার্ষিক সম্পত্তি আদিত প্রবণ, সুতীয়, পৃতীয় -

চতুর্থ পদতের যে কিছু সুতু, সুাপিতু দখল প্রাপিত হচ্ছে থকিয়ে যায় কিছু আছে -

তায়া অস্য ঘটিতে রদ ও গাইত হইয়া পত্রয় পদতে সম্পূর্ণে বর্ণাইন ।

নিম্ন (৬) তখনীন বার্ষিক যোট দুই বিশ টাকা শাঠা এক চৰোক
প্রাপি দেওয়াজুট অপিৰ যোট পুন ০৭৫০, টাকা য়: সাড়ে মাইতেশ যাজাৰ টাকা ।

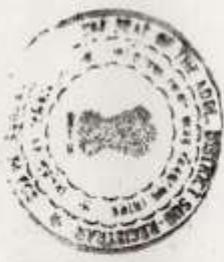
নিম্ন (৭) তখনীন বার্ষিক সম্পত্তিতে প্রত্যোক খদেৱ সম তৎশ -

বাকায় প্রত্যোক পত্র ৭৫০, টাকা পুলেৱ সম্পত্তি পাইতে হচ্ছার । শফলনেৱ দখলনেৱ

সুবিধাৰ জনা চতুর্থ ও শৰণ খদেৱ জৎপে পুকুৰিবা বা বাকায় চতুর্থ ও শৰণ পত্র -

০০০, তিন যাজাৰ টাকা পুলেৱ সম্পত্তি পত্র দাওয়ায় প্রবণ, সুতীয়, পৃতীয় পত্র প্রয়োকে

১০০০, এক যাজাৰ টাকা ক্ষেত্ৰে সম্পত্তি চতুর্থ ও শৰণ পত্রকে নগদ দেওয়ায় চতুর্থ ও



labff
édi: Institut des hautes
études de Toulouse
Boucrot, 24-Pargonne (F)

(১০) ক

শহীয় শফের মূল সপ্তাহ বাবিন প্রাপ্ত প্রকাশ দাঢ়ে যে, মিষ্টি (ক) তখনীজ বর্ণিত
অঙ্গ সহ নকশায় এবিজ্ঞানিক প্রটে বস্তুম নিজ নিজ আর্জের দূরা পৃষ্ঠানি ০ -
ইমারতাদি নিষ্পত্তি শৰ্কর কাল স্বত্ত্বিত দাওয়ি । অঙ্গ বন্টন নাম দানিলে উচ্চ-
ইমারতাদি ০ পৃষ্ঠানি যৌবন সম্পত্তি বাসিয়া গম্য হইল না ।

আর প্রকাশ দাঢ়ে যে, অঙ্গ সহ নকশায় (বি) ও (সি) ঘাঁরি -

প্রটে যে শাক ইয়ারত ঘর দেখান আছে, উচ্চ ইয়ারত ঘরের মধ্যে কখন দেওয়ান-
নুতীয় ও তুতীয় শফের মধ্যে প্রত্যান বাবিন । উচ্চ কখন দেওয়ানে নুতীয় তুতীয় -
শফ নিজ নিজ চিহ্নিত ঘরে উপর নুতীন, ত্রিতীন ঘর নিষ্পত্তি কার্যত পারিব কিন্তু -
একঘাল দেওয়ানে ভানানা, দরজা, লার্মিশ রাখিতে পারিব না । নুতীন, ত্রিতীন গৃহ -
নিষ্পত্তি হইলে উন্মুক্তিত কখন দেওয়ান নুতীয়, তুতীয় শফ ব্যবহার করিব ।

আর প্রকাশ দাঢ়ে যে, অঙ্গ সহ নকশায় পুদ্রিত ২৮১ নং দালের
ভূত্ততি ঘোন কাচা মশ ছটাক যে পুক্তিনী (ডোবা) দেখান আছে এবং উচ্চ পুক্তিনী
য়ে শাক ঘাট দেখান আছে উচ্চ শাক ঘাট নিয়া সকল শফ সমারের জন -
ব্যবহারবুলে ব্যবহার করিব । উচ্চ শাক ঘাট ব্যবহার করিব এবং প্রয়োজন যত উচ্চ-
শাক-ঘাট সকল শফ হেরাপতি ধরাট দয় তাঙ্গে বহন করিব ।

E
উচ্চ পুক্তিনীর জন প্রথম, চতুর্থ ও শৰ্কর নম সমার ধরচাট -
কলকুলে ব্যবহার করিব । উচ্চ পুক্তিনীত কোন শফ অসুস্থকর কোন কার্যাদি করিতে -
পারিব না ।

আর ও প্রকাশ দাঢ়ে যে, উন্মুক্তিত নুতীয় ও তুতীয় শফের চিহ্নিত -
(ডোবা) যতদিন পুক্তিনী তুলে রাখিব উত্তদিন প্রথম, চতুর্থ, শহীয় শফের তুল ব্যবহার
এর অধিকার বাবিন । উচ্চ পুক্তিনী নুতীয়, তুতীয় শফ তরাট করিতে পারিব । তাহাতে -
প্রথম, চতুর্থ, শহীয় শফের কোন দায়ি, ওজর আপত্তি বাবিবে না । উচ্চ পুক্তিনী বা -
ডোবা যখন তুলন হইবে তখন শাক ঘাটের ইট প্রাপ্তি সকল শফ সম্পর্কে তাপ -
করিয়া নইব । অঙ্গ বন্টন নাম দানিল খানি প্রথম শফের হেলারতে বাবিন ।



لطفا

کتابخانه ملی ایران
سازمان اسناد و کتابخانه ملی
جمهوری اسلامی ایران

دوره ۲۴ - پارس‌نامه (۳)

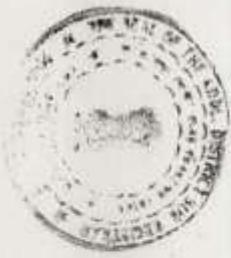
(ii)

ନୁଠି, ପୁଣି, ଚର୍ଚ ଓ ଲକ୍ଷ୍ୟ ପଦ୍ମର ବନ୍ଦନା ବାଧା ଦଲିଲ ଧାରି ଦେଖିବାର ବା
କୋଣ ଅତିମ ଆଦାନତେ ଦାଖିଲ କରିବାର ପାଇଁ ଏହି ପଦ୍ମର ଶୁଦ୍ଧ ପଦ -
ଅତି ବନ୍ଦନାଧୀ ଦଲିଲ ଧାରି ନୁଠି, ପୁଣି, ଚର୍ଚ ଲକ୍ଷ୍ୟ ପଦ୍ମର ଦର୍ଶାଇଥିବା ଏବଂ ଅତିମ
ଆଦାନତେ ଉନ୍ନବସତ ଦାଖିଲ କରିବାର ଶୁଦ୍ଧ ପଦ ଓ ଯୁଗାବିଶାନ ପରମାଣ୍ୟ ବାଧା ବାକିଲାଯା
ଅତି ସହ ମରମା ଅତି ଦଲିଲର ଏକଥେ ଥିଲା ହାଜିଲା ।

ଅତିମର୍ମ ମୁଦ୍ରା ପରିବର୍ତ୍ତନ ମଧ୍ୟ ଅଧ୍ୟୋତ୍ତମ ବିମାନବୋଧେ ମୁଜନାମେ -
ଦୁଃଖରୁ ଉପାର୍ଥ ନିରିତ ସମ୍ବନ୍ଧ ଆମଦା ମରନ ପଦ ଓ ଯୁଗାବିଶାନ ପରମାଣ୍ୟରେ -
ବାଧା ବାକିଯା ଅତି ବନ୍ଦନା ବାଧା ଦଲିଲ ଧାରି ମଞ୍ଚଦର କରିଲାମ । ଇହି ତାତିର ମର
୧୦୧୦ ମାନେର ୨୫ ଟଙ୍କାଟାଳା - ଇହାଜୀ ୧୨୬୭ ମାନେର ୨୨୩
ବେଳାଗ୍ରାହୀ -

(k) ଉତ୍ସମୀନ ଅତିମର୍ମ ମଞ୍ଚକୁଟି ପାଇଛନ୍ତି ॥

(l) ଜଳ ୨୫ ମରମା, ଏଟ ଡି ମାରିଯେଇନ୍ଦ୍ରୀ ଅତିମ ଓ ହାନା ମୋନାରମ୍ଭ ।
ପରମନ ଯେଦନମନ୍ତ୍ର, ରାତଶୁର ଫିଟିମିଟିଶାଲିଟିର ଅନ୍ତର୍ଗତ ପୌଜା ରାତଶୁର ପାଇଁ
ଅବଶ୍ୟକ ୧୦୧ ମଂ ଧଟିଯାମେ ୧୦ ଶତକ ଭାବର ବାର୍ତ୍ତକ ଧାରନା ୫ ଟାଙ୍କା ଜଧା -
ଯାମିକ ୨୫ ମରମା କାଲେକ୍ଟାର ଆମିଶ୍ର । ଜଳେଟ ମଂ ୧୧, ଡୌଡ଼ି ମଂ ୨୫୬ ।
୧୮୦ ଦୁଇ ଶତ ଆମି ମଂ ମାତ୍ର ବାର୍ତ୍ତକ ୧୦ ଶତକ ଧାରମ୍ଭର ପୌଜ ହାତ୍ଯା ଡୌଫ ଛଟାକ
ଚାର ଫୋଯାରଫୁଟ ଉପି ଯାହା ଅତି ସହ ମରମା ଡିଇ୧୭ ଏହି ଯାହା ପୁଟେର ଅନ୍ତର୍ଗତ -
। ଘୁର - ପୌଜ ମାତ୍ର - ଟାଙ୍କା ।



add. invent. Sub-registrum
Soviet... 21 Vergader (E)

1982

(六)

(२) याना, ३, योडा राज्यपूर्त, १०६३ नं खटियाने २४ शतक उथिर बार्षिक धातना ८५ टोका अधार पद्धे १ विधा १५४ लाडा मात्र हटोक सात स्कोडारुट उथिर बार्षिक धातना परिधि धातना १४१३७ नम्बुरा उमा।

୧୯୫ - ଦୁଇ ଶତ ମାତ୍ରର ମଧ୍ୟରେ ୨୬ ଶତକ ଜ୍ଞାପିତ ଯଥେ ଟିଟିଲ୍ ରୈସ୍ ନିମ କାଠା -
ଅଧି ବିଚ୍ଛନ୍ନ କବା ବାଟେ ବଢ଼ିବେ ଏହି ବିଷୟ ଏହି କାଠା ଯମ୍ଭ ଛଟାକ ମାତ୍ର କୋଣାରକୁ ବାକ୍ତ -
ଅଧି ଏବଂ ଦୁଇ କାଠା ଓହା ଛଟାକ ତୋବା ଜ୍ଞାପି ।

ପ୍ରାଟି ଏହି ବିଦ୍ୟା ଚାହେ ବାଢ଼ା ଚାହେ ଛଟୋକ ମାତ୍ର କ୍ଷୋଭୁବନ୍ଧୁଟ ଜୀବି ।

১৯৭
১০৮৩ দুই শত সাতাত্তর বাটা এক হাজার তিলামি নং দালে বাস্ত তিনি
শতক মাপদণ্ডে এক কাঠা হয়ে ছাটাই ।

୧୭୮ ଦୁଇ ଶତ ଆଟୋଟିର ମାଲେ ଡେବା ୧ ଶତକ ଯାନ୍ତମରାତ ଖାଚ ବାଟା ମାତ୍ର ଛଟାକ ।

१७१ दुई शत उन्नापि नव दाले वाच्च ८ शतक याख्यात चार शास्त्रा द्वारा छटोक-

୧୮୯ ଦୟାଇ ଶତ ଏକାଶ ନାମରେ ଡୋବା । ୧୯ ଶତକ ଘାପଦିତ୍ୟ ମହିନର ଶାଠା ଦୟା ଛଟାକ -

ଯେଉଁ ମୁଁ ବିଶ୍ଵା ଫୁଲର କାହା ମାତ୍ର ଛଟୀକ ମାତ୍ର କ୍ଷୋପ୍ତାନ୍ତରୁଟି ଖପି ଏନ୍ତା ମର୍ଦ୍ଦୀଯାଟି

৩৭০০০ টাঙ্ক।

ମର୍କେଟ୍ ଦୂର ବିଚା ଡେଲିକ କାଠା ନୀଚ ହାତୀକ ଏଗାର ଟଙ୍କୋଟାରୁଣ୍ଡଟ ଅଧି ଘୋଟ ମୂଳ -
୧୦୫୦୦ ଟାକା ॥

(৬) তৎশীল সম্পত্তি যাহা শুধুমাত্র এক প্রকার বিদ্যুতিক্ষেত্র -

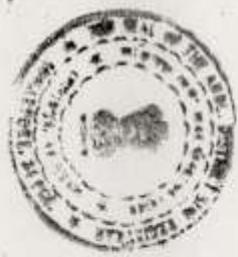
ଚତୁର୍ବାହୀର ପାଶେ ନିର୍ମିତ ହୈଲ୍ ଡାକ୍‌ଟାର ପରିଚୟ ॥

(ক) তৃণ্ণীজনের পদ্ধতি ১০৯৫ নং খণ্ডিয়ান কলেজ শাস্তি মাল্টি ইনসিভ -

बार्षिक घाजातावे भावना १०८८ संस्कार ।

२७७ नं नामे वार्ष उपित्र यधे नीच लाठा नमु छटाक एवं डोबा दूई काढा -
एनार छटाक ।

ੴ ਪਾਤੇ ਸ਼ਾਹਿ ਹਾਰੁ ਸ਼ੋਹ ॥



1987
Sociedad de Amigos del Libro
y la Lectura

Asociación de Amigos del Libro

২৭৭
১০৪০

মং মাসে ০ মতক যাবস্থাত এই জোড়া হচ্ছে কটাক বাস্ত অধি ।

২৭৮ নং মাসে জোড়া অধির ঘোষ পাঁচ কাটা মাত কটাক ।

যোট সাড়ে খনর কাটা জুমি যাব্বা ওও সহ নকশায় (এ) যার্দি কুকে নাল গঁ-
দুরা খরিবেশ্বত মাত কাটা হচ্ছে কটাক বাস্ত অধি এবং (ও) যার্দি কুকের জন্মত
আট কাটা দুই কটাক জোড়া অধি যোট সাড়ে খনর কাটা পুন ৮৫০০ টাকা ॥

(গ) চৰণীল সম্বতি যাব্বা দুটোয় নচ শু বীজেন্দ্ৰ কুমাৰ -
চৱনবঁৰীৰ অংলে মিন্দক্তি হইল, তাৰার পৰিচয় ॥

(ঘ) চৰণীলের জন্মত ১০৫২ মং খণ্ডিয়ামে ২৭৭ নং মাসে বাস্ত হচ্ছে কাষ্ঠ -
হচ্ছে কটাক অধি ।

২৮১ দুই মত ইলাল নং মাসে জোড়া অধির ঘোষ আট কাটা নয় কটাক ।

সকল্যোট - ১৪ জোড়া কাটা ১৫ খনর কটাক, যাব্বা ওও সহ নকশায় (বি) যার্দি -
যোট পুরিন্দু রঁ দুরা খরিবেশ্বত কু কাটা হচ্ছে কটাক বাস্ত অধি এবং (বি) যার্দি -
যুটের জন্মত আট কাটা নয় কটাক জোড়া অধি পুন ৮৫০০ টাকা । ইথাৰ বার্ষিক
যাব্বাৰি ধাতনা ৩০০০ পঁয়সা ।

(ঘ) চৰণীল সম্বতি যাব্বা দুটোয় নচ শু বীজেন্দ্ৰ কুমাৰ -
চৱনবঁৰীৰ অংলে মিন্দক্তি হইল, তাৰার পৰিচয় ॥

(ঘ) চৰণীলের জন্মত ২৭৭ নং মাসে হচ্ছে কাটা মাত কটাক বাস্ত অধি এবং -

২৮১ মং মাসের ঘোষ আট কাটা নয় কটাক জোড়া অধি ।

যোট খনর কাটা অধি যাব্বা ওও সহ নকশায় কুক (সি) কালো রঁ দুরা খরিবেশ্বত -
যাব্বা অধি এবং কুক (সি) জন্মত জোড়া অধি ইথাৰ বার্ষিক যাব্বাৰি ধাতনা ৪'০০
পঁয়সা অংশ । যোট পুন ৮৫০০ টাকা ।



ग्रन्थालय दिल्ली-पुस्तकालय
लोकप्रिय ग्रन्थालय (ए)

२९/३८७

(ତ) ତଥାରେ ବାର୍ଷିକ ସମ୍ପଦ ଯଥି ଉଚ୍ଚିଷ୍ଟ ଶ୍ରୀଅତୀ ନିହାରବାଳା -

ପୁରୁଷର ପାଲେ ନିର୍ଦ୍ଦେଖ ହଇଲା ତାହାର ପରିଚୟ ॥

୧) (କ) ତଥାରେ ଅନ୍ତର୍ଗତ ୧୦୫୧ ମଃ ଧର୍ମଧାରେ ଏହି କାଟା ଘର ଛଟାକ-

ପନର କୋଣ୍ଠାରୁଟ ଜମିର ବାର୍ଷିକ ଧାରନା ୩୦ ଲୁମ୍ବା ଡମା ।

୧୦୫୨ ମୂର୍ଖ ଶତ ମତୋଡ଼ର ନଃ ଦାଲେ ବାର୍ଷିକ ଜମିର ମଧ୍ୟେ ଏହି କାଟା ଘର ଛଟାକ -

ପନର କୋଣ୍ଠାରୁଟ ଡମା । ମୂଲ ୨୦୦୦ ଟାଙ୍କା ।

୨) (କ) ତଥାରେ ଅନ୍ତର୍ଗତ ୧୦୧ ମଃ ଧର୍ମଧାରେ ତିନି କାଟା ପନର ଛଟାକ ପାଟାକିଶ -

କୋଣ୍ଠାରୁଟ ଜମିର ବାର୍ଷିକ ଧାରନା ୧୦୦ ଲୁମ୍ବା ଡମା ।

୧୦୫୦ ମଃ ଦାଲେ ବାର୍ଷିକ ଜମିର ମଧ୍ୟେ ତିନି କାଟା ପନର ଛଟାକ ପାଟାକିଶ କୋଣ୍ଠାରୁଟ -

ଡମା । ମୂଲ ୫୦୦୦ ଟାଙ୍କା ।

ସର୍ବଯୋଟ ପୀତ କାଟା ଘର ଛଟାକ ପାଟ କୋଣ୍ଠାରୁଟ ଜମି ଯାଥ ପାଇଁ ମହ ନକମାଟୁ (ତି) -

ଧାରୀ ପ୍ରଟ ବାଦାମୀ ରଃ ଦୁଆ ପରିମାଣିତ ଆହେ । ମୂଲ ୫୦୦୦ ଲୁମ୍ବା ଧାରାର ଟାଙ୍କା ।

(ଚ) ତଥାରେ ସମ୍ପଦ ଯାଥ ପ୍ରକଳ୍ପ ଏହି ଶ୍ରୀଅତୀ ନନୀବାଳା -

ପୁରୁଷର ପାଲେ ନିର୍ଦ୍ଦେଖ ହଇଲା ତାହାର ପରିଚୟ ॥

୧) (କ) ତଥାରେ ଅନ୍ତର୍ଗତ ୧୦୫୨ ମଃ ଧର୍ମଧାରେ ତାର କାଟା ଘର ଛଟାକ ଜମିର -

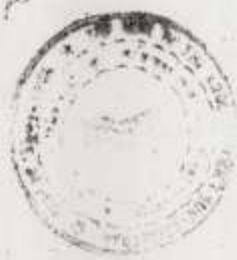
ବାର୍ଷିକ ଧାରନା ୨୦୦୨ ଲୁମ୍ବା ଡମା ।

୧୦୫୨ ମଃ ଦାଲେ ବାର୍ଷିକ ଜମିର ମଧ୍ୟେ ତାର କାଟା ଘର ଛଟାକ ଡମା । ମୂଲ ୫୦୦୦

ଟାଙ୍କା ।

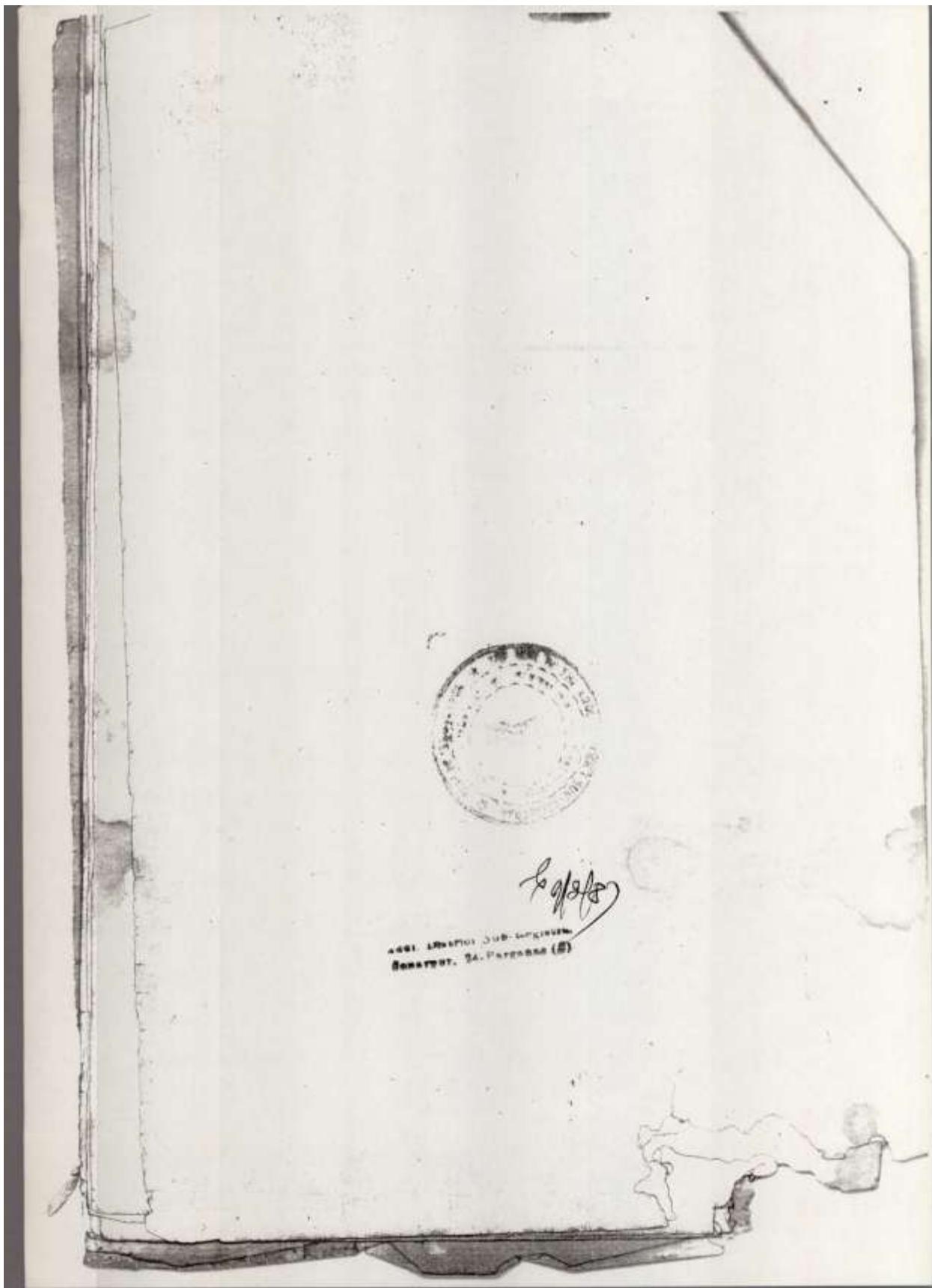
୨) (କ) ତଥାରେ ଅନ୍ତର୍ଗତ ୧୦୧ ମଃ ଧର୍ମଧାରେ ଏହି କାଟା ତିନି ଛଟାକ ଜମିର -

ବାର୍ଷିକ ଧାରନା ୨୦୦୬ ଲୁମ୍ବା ଡମା ।



ASSI. LIBERTY. JUST. INDEPENDENCE.
BONAPART. 24. PARIS (II)

✓



200nm

(a)

୧୬୦ - ଦୂଇ ଗତପାଞ୍ଚ ନଃ ମାଧ୍ୟମ ଯଥେ ଏକାଶା ତିନ ହଟାକ ବାନ୍ଧ ଡାଖି ।
ମୂଲ୍ୟ ୨୦୦୦ ଟଙ୍କା ।

ମର୍କେଟ୍ ହଟ ବାଁ ଯାଏ ଏତେ ସମ୍ଭାବ୍ୟ (ଇ) ଯାଏ ପ୍ରତି ଉଚ୍ଚତା ରାଜ୍ୟରେ -
ଶରୀରରେ ଖାଦ୍ୟ ଆବଶ୍ୟକ ଆବଶ୍ୟକ ଆବଶ୍ୟକ ଆବଶ୍ୟକ ଆବଶ୍ୟକ ଆବଶ୍ୟକ

पूर्वाधिकारात्मक २

ନାଇମେନ୍ଦ୍ର ଶ୍ରୀ ପତନୀନ ଲିଖି -
କୁଳାଚୀଶ୍ଵରମେହି
ଶ୍ରୀ ବାବାନ୍ତି ଦ୍ୟାମ ।

નાઈટ્સ-મ નં ૩૧૧૬

ଶୋଭାରମ୍ଭ ଏବଂ ଶିଃ ଶାବରେଣ୍ଡିଖ୍ରୀ ଅଧିକ ॥

३८

- ~~বেলার মুক্তির পথ~~
- ~~১৯৭৪ + ২৫ = ১৯৯৯~~

CSIRU of ~~b7c~~ b7d 485

ପ୍ରକାଶକ

ଟାଇପ୍‌ରେଟରଙ୍କ ନାମ
ମୋହାରୁଲ୍ ଖାନ - ୧୦ ମୁଖ୍ୟମା ॥



19/08



68-5-9
19/08

19/08
25 6 1868
19/08

Halter